B.Ed. 2nd Year
Session – 2018-2020
Subject – School Mangagement and Leadership
Course – 11(E) /Unit – 1(a)
Topic – **विद्यालय-संगठन के उद्देश्य**
(Aims of School-Organisation)

Dr. Amod Kumar Sinha
(Assistant Professor)
Department of Education
A.N. D. College
Shahpur Patory
Samastipur

Lecture No. - 79

Continued from previous lecture…

विद्यालय-संगठन के उद्देश्य
(Aims of School-Organisation)

12. शिक्षा-विभाग के कर्मचारियों की नियुक्ति, सेवा-शर्तों का निर्धारण एवं उनके प्रशिक्षण तथा प्रगति आदि की व्यवस्था करना।
13. छात्रों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना।
14. शिक्षा विभाग के प्रत्येक कर्माचारी एवं अधिकारी को अपने -अपने कर्त्तव्यों, उत्तरदायित्वों और अधिकारों से अवगत कराना।
15. शिक्षा के माध्यम से जनतांत्रीय व्यवस्था तथा कुशल नागरिक उत्पन्न करना।
16. शिक्षा-संबंधी अनेक संगठन के लिए अलग-अलग प्रशासनिक नेतृत्व प्रदान करना।
17. शिक्षा के क्षेत्र में अधिकतम उपलब्धियाँ प्राप्त करने हेतु साधन जुटाने एवं अनुकूल पर्यावरण उत्पन्न करना।
18. शिक्षा-संबंधी उत्तरदायित्व को स्वीकरना एवं उनको उचित ढंग से निभाना।
19. शाक्षणिक कार्यक्रमों को चलाने हेतु आवश्यक धन की व्यवस्था करना और अभिलेख तैयार करना।
20. शिक्षा के नवीन मूल्यों, उद्देश्यों, सिद्धांतों, मान्यताओं आदि का निर्धारण करना।

21. शिक्षा में व्याप्त अपव्यय, अवरोधन को शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर रोकना।

22. शिक्षा-संबंधी कार्यों, उचित निर्णयों तथा विचारों को प्रोत्साहित करना और अनुचित कार्यों एवं दूषित विचारों को रोकना।

23. शैक्षणिक दृष्टि से विद्यार्थी, शिक्षक तथा विद्यालय में सुरक्षा की भावना विकसित करना।

इस प्रकार हम देखते हैं कि विद्यालय-संगठन इस प्रकार किया जाना चाहिए कि विद्यालय सामाजिक जीवन का ऐसा केन्द्र बने जहाँ बालक-संगठन का लक्ष्य एवं उद्देश्य सामाजिक आवश्यकताओं के संदर्भ में बालक का समन्वित बहुमूखी विकास होना चाहिए, जिसमें वह स्वयं अपनी जाति, समाज, राष्ट्र और अन्ततः मानव-जाति आदि के लिए वरदान सिद्ध हो सके।

समाप्त